'गुंडे' की तरह 'पुलिस' ने थाने में 'पत्रकार' को 'पिटा'

जिस अखबार के लिए पत्रकार को कलवारी थाने की पुलिस ने कमरा बंदकर पीटा उसी अखबार ने अपने ही पत्रकार को पहचानने से इंकार कर दिया

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...वैसे भी कलवारी थाने की पुलिस को गौसैसीपुर हत्याकांड के लिए पीड़ित परिवार जिम्मेदार मान रहा है, अब तो इस थाने के सिपाहियों पर विजय कुमार नामक पत्रकार को कमरे में बंदकर मारने पिटने का आरोप लग रहा है। इस पत्रकार की गलती यह थी, कि यह थाना दिवस के अवसर पर एक महिला के द्वारा जहर खाने का कवरेज कर रहा था।

पुलिस को लगा कि अगर पत्रकार ने कहीं घटना का वीडियो वायरल कर दिया तो थाने की बहुत बदनामी होगी, अपनी बदनामी से बचने के लिए पुलिस ने एक निरीह पत्रकार को पकड़ा, मोबाइल छीना और उसके बाद सर्वेष सोनकर और राजेष सिंह सहित अन्य सिपाही उसे थाने के किचन के बगल स्थित कमरे में ले गए, अंदर से दरवाजा बंद कर दिया, और लगे बेरहमी से पिटने, लात, घूसों और थप्पड़ों से खूब मारा पिटा। हैरान करने वाली बात यह है, कि यह घटना एसओ और नायब तहसीलदार स्वाती सिंह के सामने घटी और किसी ने रोकने का प्रयास भी नहीं किया, बल्कि जब पत्रकार मार खाकर इसकी शिकायत करने स्वाती सिंह के पास पहुंचा तो उन्होंने कुछ करने के बजाए पुलिस का पीठ ठोंकते हुए कहा कि पुलिस ने जो किया अच्छा किया, यह वही स्वाती सिंह है, जब इनपर बीती थी, तो पुलिस इनकी सुनने के लिए तैयार नहीं थी, मुकदमा लिखने के लिए यह रातभर पुलिस से मिन्नते करती रही।

वह तो भला हो एमएलसी देवेंद्रप्रताप सिंह और मीडिया का, जिनके दबाव में ही इनके साथ मारपीट करने वाले नायब तहसीलदार घनश्याम षुक्ल के खिलाफ मुकदमा लिखा गया, निलंबित होना पड़ा, और जेल भी जाना पड़ा। आज वही पुलिस इन्हें अच्छा लगने लगी। पत्रकारों को पुलिस से अधिक स्वाती सिंह पर गुस्सा हैं। इसके बाद यह पत्रकारों के निषाने पर आ गई हैं, और अन्य पुलिस कर्मियों के साथ इनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोर्ट में जाने की तैयारी हो रही है। बहरहाल, पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल एसपी से मिला और उन्हें घटना की विस्तार से जानकारी दी ज्ञापन दिया, जिसमें दोषी कर्मियों और एसओ के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

एसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सर्वेष सोनकर और राजेश सिंह नामक सिपाही को हटाने का आदेश दिया, और अन्य कार्रवाई करने की बात भी कही। पत्रकार ने कलवारी थाने की पुलिस पर यह भी आरोप लगाया कि वह फर्जी मुकदमें फंसा भी सकती है, लिखा कि भविष्य में अगर उनके साथ कोई घटना होती है, तो इसके लिए कलवारी पुलिस को जिम्मेदार माना जाए। पत्रकारों ने कार्रवाई न होने की दषा में धरने पर बैठने की भी बात कही है। यह उस प्रदेश के पत्रकारों की हालत हैं, जिसके मुखिया चिल्लाते रहते हैं, कि उनके रहने किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न नहीं होने पाएगा। इस मामले में पत्रकारों की एकता देखने बनी। इसी तरह की एकता भविष्य में भी दिखनी चाहिए, ताकि किसी पत्रकार के जख्मों पर मरहम रखा जा सके।

जिन पत्रकारों की आवाज पर एसपी ने दोनों सिपाहियों को हटाया, उनमें शैलेंद्र कुमार, विवेक श्रीवास्तव, हिफर्जुरहमान, जय प्रकाष यादव, अजित कुमार सिंह, अमृत लाल, कमलेष सिंह, राघवेंद्र सिंह, राकेष गिरी, रत्नेष्वर मिश्र, जितेंद्र श्रीवास्तव, संजय चैरसिया, कासिफ समर, सरताज आलम, राजू षुक्ल, पारसनाथ मौर्य एवं मकबूल अहमद सहित अन्य पत्रकार शामिल रहे।

▸▸ पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल एसपी से मिला, एसपी ने दिया कार्रवाई करने का भरोसा ▸▸ सर्वेष सोनकर और राजेश सिंह नामक सिपाही को एसपी ने थाने से हटाने का दिया आदेश ▸▸ पत्रकार की पिटाई को लेकर जिलेभर के पत्रकारों ने रोष व्याप्त, दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की ▸▸ नायब तहसीलदार स्वाती सिंह के सामने पत्रकार को पुलिस ने पिटा, और यह देखती रजह गई, पत्रकार पर जख्म पर मरहम लगाने के बजाए कहा कि पुलिस ने जो किया अच्छा किया

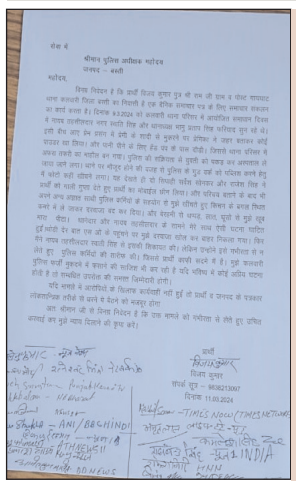

जिसके लिए 'मार' खाया, उसी ने 'पहचानने' से ही 'इंकार' कर दिया

बड़े बैनर के पीछे भागने वाले पत्रकार सावधान हो जाए, वरना मारखाने के बाद बैनर वाले पहचाने से इंकार कर देंगें। अगर किसी पत्रकार को इसका सच देखना हो, तो वह कुदरहा से एक बड़े बैनर के लिए लिखने पत्रकार 'विजय कुमार' के उन जख्मों को देखना होगा, जो कलवारी थाने की पुलिस ने इस लिए दिया कि वह बड़े बैनर के लिए थाना दिवस का कवरेज करने गया था, जो पत्रकार निःषुल्क बैनर की सेवा न जाने कितने दिनों तक कर रहा था, जब उसके उपर मुसीबत पड़ी तो जख्मों पर मरहम रखने के बजाए, यह कहकर और बड़ा जख्म दे दिया कि यह पत्रकार हमारे अखबार के लिए काम ही नहीं करते। यह पहला मौका नहीं हैं, जब उनके ही लोगों ने पहचानने से इंकार कर दिया। कहा भी जा रहा है, कि अगर किसी पत्रकार के कलम में स्याही और ताकत है, तो उसके लिए बड़ा बैनर कोई मायने नहीं रखता। यह कहना/समझना गलत साबित हुआ कि कोई बड़ा बैनर ही आप की सुरक्षा कर सकता है। बड़े बैनर के लिए खूनपसीना एक करने वाले पत्रकारों को यह समझ लेना चाहिए, कि वह जिसके लिए रातदिन एक कर रहा है, वही एक दिन पहचानने से इंकार कर देगा। पत्रकार की पहचान बैनर से नहीं बल्कि उसकी लेखनी से होती है। पत्रकार किसी बैनर का मोहताज नहीं होता। उसकी पहचान सिर्फ बड़े बैनर से ही नहीं बनती, अगर ऐसा होता तो आज बड़े बैनर में काम करने वालों का अधिकांष लोग नाम ही नहीं जानते। इस सच को जितनी जल्दी हो सके पत्रकारों को समझ लेना चाहिए, वरना पुलिस से भी बड़ा जख्म खाने को तैयार रहें।

'पंचायत भवन' के ताले की चाबी 'नकली प्रधान' का नौकर 'खोलता'

महिला पंचायत सहायक को ताला खुलने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...नकली प्रमुखों/नकली प्रधानों के वर्चस्व वाले बनकटी ब्लॉक का एक ग्राम पंचायत हल्धौर नगरा है। कहने को तो यहां पर एससी महिला प्रधान हैं, जिनका नाम बिंदु, मगर प्रधानी का सारा कामकाज गांव के नकली प्रधान 'बाबाजी' देखते है। बाबाजी का इतना रुतबा है, कि इनके क्रियाकलापों से प्रधान खुद परेशान और नाराज हैं, यह बात प्रधान ने तब पंचायत सहायक 'मनीषा कुमारी' से कही, जब वह पंचायत भवन के ताले की चाबी तीन साल से न मिलने की शिकायत करने गई थी, यह महिला पंचायत सहायक इससे पहले सचिव और एडीओ पंचायत से न जाने कितनी बार कर चुकी है, और अब यह इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से करने जा रही है।

पंचायत सहायक का कहना है, कि उसकी नियुक्ति तीन साल पहले पंचायत सहायक के पद पर हुई थी, चूंकि इस पद पर नकली प्रधान किसी और नियुक्ति कराना चाहते थे, तभी से नकली प्रधान उनसे नाराज चल रहें है। कहती है, कि वह रोज ठीक सुबह दस बजे पंचायत भवन आ जाती है, लेकिन उसे ताला खुलने के लिए बाहर घंटों इंतजार करना पड़ता है, जब नकली प्रधान का नौकर चाबी लेकर आता है, और ताला खोलता है, तब वह अंदर जा पाती। नियमानुसार पंचायत भवन के ताले की चाबी पंचायत सहायक के पास रहती है। लेकिन उसे तीन साल से इस लिए चाबी नहीं दी गई, क्यों कि वह नकली प्रधान के पसंद की नहीं है। बाबाजी स्कूल कम जाते हैं, और इनका अधिकतर समय प्रधानी को संभालने में बीत जाता है। जाहिर सी बात है, कि जिस गांव की प्रधानी नकली प्रधानों के हाथ में रहेगी, उस गांव में विकास की गंगा के स्थान पर भ्रष्टाचार की नदी बहने से कोई रोक नहीं सकता।

❖ तीन साल हो गए, मगर आज तक पंचायत सहायक को ताला खोलने के लिए नकली प्रधान ने चाबी नहीं दिया

❖ महिला ने इसकी शिकायत एडीओ पंचायत और सचिव से भी कई बार किया, मगर किसी ने नहीं सुना

❖ पंचायत सहायक जब महिला प्रधान से शिकायत किया, तो उसने कहा कि वह खुद नकली प्रधान के क्रियाकलापों से परेशान

वैसे भी नकली प्रधानों के क्रियाकलापों के कारण बनकटी ब्लॉक हमेशा चर्चा में रहा। रही-सही कसर बीडीओ साहब लोग पूरा कर देते है। कहना गलत नहीं होगा, कि अधिकांश ग्राम पंचायतों की बागडोर नकली प्रधानों के हाथों में हैं, और जिस ब्लॉक की बागडोर नकली ब्लॉक प्रधान संघ के अध्यक्ष के हाथों में उस ब्लॉक से ईमानदारी की उम्मीद करना भी नासमझी होगी। चूंकि नकली प्रधानों को तो न तो समाज और न जेल जाने का डर रहता है, इस लिए यह लोग बेकौफ होकर मनरेगा सहित ग्राम निधि की लूटपाट करते है। इनके लूटपाट पर लगाम लगाने के लिए जिसकी जिम्मेदारी है, वह खुद लूटपाट में शामिल रहते है। सच मानिए तो नकली प्रधानों के लिए ग्राम पंचायतें एक कमाउ कारोबार बन गया है।

गांव का कोई बेरोजगार अगर प्रधानी का कामकाज देखता है, समझ में आता है, कि वह अपनी बेरोजगारी को दूर करने के लिए लूटपाट कर रहा है, मगर, अगर कोई गुरुजी लूटपाट करें तो इसे समाज कभी अच्छा नहीं मानेगा। गुरुजी लोग अगर गुरुजी ही बनकर रहें तो मान और सम्मान के साथ गुरु दक्षिणा भी मिलेगा। मगर, आज कल के गुरुजी तो प्रधानी को ही अपना गुरु दक्षिणा मानने लगें हैं। जिस तरह ग्राम पंचायत हल्धौर नगरा में नकली प्रधान/गुरुजी की ओर से जो कुछ महिला पंचायत सहायक के साथ किया जा रहा है, उससे महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। यह भी पता चला कि जितने भी फर्जीवाड़ा वाला काम होता है, वह रोजगार सेवक से कम्प्यूटर के द्वारा करवाया जाता हैं।

'डीएम' ने किया चित्र 'प्रदर्शनी' का 'उदघाटन'

तेजयुग न्यूज

बस्ती। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास विषयक सदर तहसील परिसर में स्थापित तीन दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन डीएम अन्द्रा वामसी, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र नाथ तिवारी और भाजपा के जगदीश शुक्ल के साथ किया। इसमें केंद्र सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की नीतियों, निर्णयों, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं से कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार हेतु सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

डीएम ने जनपदवासियों से अपील किया है कि अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन कर भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से अब तक जो व्यक्ति प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं से वंचित रह गए है, वे योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर लाभ प्राप्त करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर शत्रुहन पाठक, प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय, सरदार जगबीर सिंह, आम जनमानस सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन जिला अध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने किया। उन्होने कहा कि पिछले 10 वर्षो में केन्द्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का इसमें प्रदर्शन किया गया है, जो जनमानस के लिए लाभप्रद है।

इस अवसर पर उनके साथ राजेशपाल चौधरी, अमृत कुमार वर्मा, आदित्य श्रीवास्तव, जयप्रकाश पाण्डेय, हनुमान प्रसाद मिश्र, पिंकू उपाध्याय ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए सराहना किया। चित्र प्रदर्शनी में केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजना-यथा- 25 लाख करोड़ ई-गन्ना भुगतान, 55.50 लाख आवासों का निर्माण, 96 लाख एम.एस.एम. इकाईया, कारीडोर विस्तार 6 नोड्स (अलीगढ, आगरा, लखनऊ, कानपुर, चित्रकूट एवं झासी) का निर्माण, मैट्रो रेल का संचालन-नोएडा ग्रेटर नोएडा गाजियाबाद, लखनऊ कानपुर आगरा में मैट्रो का संचालन, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), हर गरीब का मुफ्त इलाज-9 करोड़ से अधिक-5 लाख तक मुफ्त इलाज, निवेश पोर्टल 37 विभागों-457 आनलाइन सेवाए, किसानों को प्रतिवर्ष 6000 सहायता-प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना-15 करोड से अधिक मुफ्त राशन, डिजिटल उत्तर प्रदेश, मोटो जीपी रेस का सफल आयोजन, यूपी इंटर नेशनल टेऊडओ का शानदार आयोजन, अयोध्याधाम-31000 करोड़ की विकास परियोजना का क्रियान्वयन, 58.000 बीसी सखी का चयन एवं ग्लोबल समिट-40 लाख करोड़ के निवेश प्रदर्शित है।

दो वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नसीराबाद/रायबरेली: विचाराधीन मामलों में तारीखों से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से जारी वारंट के तहत नसीराबाद पुलिस ने दो फरार चल रहे वारंटियों को गिरफतार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक मामला लगभग 11 वर्ष पहले आईपीसी की धारा 323/504 के तहत दर्ज विचाराधीन मामले में अभियुक्त इसमाइल पुत्र स्वर्गीय इसहाक निवासी कस्बा व थाना नसीराबाद तथा 498 ए, 323,504 आईपीसी एवं 3/4 डीपी एक्ट के विचाराधीन मामले में अदालत में लगातार न हाजिर होने के कारण जारी वारंट के अनुपालन में अभियुक्त हुकुम सिंह पुत्र छोटेलाल निवासी मोहम्मद अली का पुरवा थाना नसीराबाद को गिरफ्तार करके विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक राम लखन पटेल ने बताया कि दोनों अभियुक्तों की गिरफ्तारी उनके घरों से उप निरीक्षक त्रियुगी नारायण तिवारी और हमराही हेड कांस्टेबल विपिन कुमार द्वारा की गई।

'गौर' के 'मझौवा चैबे' में मची 'मनरेगा' में 'लूट'

लुटेरे बने प्रधान, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक और सचिव

तेजयुग न्यूज

बस्ती।....वैसे तो पूरे जिले में मनरेगा में लूट मची हुई हैं, किसी ब्लॉक और ग्राम में कम तो किसी में अधिक, मगर हर जगह मनरेगा को लूटा जा रहा है, और इसके लुटेरे की भूमिका में प्रधान, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, सचिव और बीडीओ नजर आ रहे है।

गौर ब्लॉक भी इससे अछूता नहीं रहा। आए दिन इसी ब्लॉक में मनरेगा में फर्जीवाड़ा निकल रहा है। इसी ब्लॉक के ग्राम पंचायत मझौवा चैबे में 10 मार्च 2024 को साडी दीनदयाल मे पोखरा खुदाई एव सफाई कार्य के नाम पर मस्टरोल में कुल 68 मजदूरों की हाजीरी लगाई गई। जबकि जमीनी स्तर पर जब मीडिया टीम ने पड़ताल किया तो वहां पर सात मजदूर ही कार्य करते मिले।

अब सवाल उठ रहा है, कि आखिर यह फर्जीवाड़ा रुके तो कैसे रुके, उससे भी बड़ा सवाल यह उठ रहा है, इसे रोकेगा कौन? क्यों कि जिनके जिम्मे फर्जीवाड़े को रोकने की जिम्मेदारी हैं, वही लोग मूक दर्षक की भूमिका में नजर आ रहे है। बार-बार कहा जा रहा है, कि जब तक ब्लॉक के मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगा, तब तक फर्जीवाड़े को रोकना संभव नहीं है। जनता तो समझ जा रही है, मगर न जाने क्यों अधिकारी इतनी छोटी सी बात समझ नहीं पा रहे है। आखिर यह कब समझेगें, जब सबकुछ लुट जाएगा तब। बखरे ने एक तरह से मनरेगा को बर्बाद कर दिया, और इसके लिए सिर्फ प्रधान को ही जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं होगा।

आचार 'संहिता' की आड़ में न 'तोड़ी' जाय वैध 'होर्डिगं' : आनन्द राजपाल

तेजयुग न्यूज

बस्ती। नगर पालिका परिषद द्वारा अभियान चलाकर नियमानुसार निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद वैध होर्डिगों को तोड़कर उठा ले जाने से एडवरटाइजर एसोसिएशन पदाधिकारियों में रोष है। सोमवार को एसोसिएशन अध्यक्ष नोमान अहमद के साथ बस्ती उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल अध्यक्ष आनन्द राजपाल, महामंत्री सूर्य कुमार शुक्ल ने डीएम को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

आनन्द राजपाल ने कहा कि नियमानुसार वैद्य होर्डिगों को हटाया जाना पूरी तरह से गलत है। नोमान अहमद ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के स्थगन आदेश के बावजूद नगर पालिका कर्मियों द्वारा उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में वैध होर्डिग आये दिन तोड़े जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में उच्चाधिकारी चुप्पी साधे हुये हैं। कहा कि नियमानुसार लगाये गये होर्डिगों को तोड़ा जाना विधि विरूद्ध है। यह चिन्ताजनक है कि नियमानुसार लगाये गये होर्डिगों को नगर पालिका प्रशासन द्वारा आये दिन हटवाया जा रहा है। इस प्रकार तो एडवरटाइजर के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग बेरोजगार हो जायेंगे। प्रशासन शीघ्र अनुकूल निर्णय ले।

एडवरटाइजर एसोसिएशन अध्यक्ष नोमान अहमद ने कहा कि नियमानुसार कर देने के बाद जो होर्डिग लगायी जाती है उसे हटाया जाना विधि विरूद्ध है। आशंका है कि प्रशासन आचार संहिता के नाम पर फिर होर्डिगों को तोड़वा देगा, इससे होर्डिग क्षेत्र में काम करने वालों को काफी नुकसान होगा, ऐसा कदापि न किया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से प्रभात सोनी, शेष नरायन गुप्ता, फरमान अहमद, शारिब भरत कुमार, हबीब, राम दयाल, मनीष श्रीवास्तव, कल्पू यादव, अरूण पाण्डेय, उदयराम यादव, फुरकान अहमद, आलोक प्रकाश, इरशाद खान, मोनिस खान आदि शामिल रहे।

'विधायक' ने किया 'अंबेडकर' प्रतिमा 'स्थल' का 'शिलान्यास'

बस्ती। महादेवा के विधायक दूधराम ने बनकटी के ग्राम पंचायत पगारखास में अंबेडकर प्रतिमा स्थल का षिलान्यास किया। इस अवसर पर इसी ग्राम पंचायत में विधायक निधि से निर्माण कराए गए बाउंडीवाल का उदघाटन भी किया। विधायक ने गांव के लोगों को 200 मी. इंटरलाकिगं और 500 मी. खंडजा लगाने का आष्वासन भी किया। इस अवसर पर जितेंद्र यादव, डा. सोमई प्रसाद, हृदयराम, राम सेवक, राम किशुन, राम भुआल, पसंद, इंद्रजीत, धमेंद्र, राम शब्द, पिंटू यादव सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन फूलचंद्र ने किया।

सबला-समर्थ परियोजना द्वारा मनाया गया महिला दिवस

तेजयुग न्यूज

रायबरेली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सबला संस्था द्वारा संचलित समर्थ परियोजना की पदाधिकारी महिलाओं ने धूमधाम से उत्सव मनाते हुए ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को भी जागरूक किया। बताते चलें कि सबला संस्था द्वारा संचलित समर्थ परियोजना की पदाधिकारी महिलाओं ने हरचंदपुर के अंतर्गत चार अलग-अलग ग्राम सभाओं मे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाया गया जिसमे ब्लाक के ग्राम सभा शोरा (ठकुराइन पुरवा), गुलुपुर, कठवारा(शेखन पुरवा) और लालूपुर को सम्मिलित किया गया। जिसका उद्देश्य महिलाओ को प्रोत्साहित करते हुए नए विषयों के प्रति जागरुक करना था।

इसके लिये उनके बीच कई गतिविधियां कराई गई और उनकी बातो को जानने का प्रयास किया गया, जिससे वो खुद भी अपनी इच्छआओ को जान सकी। इस दौरान महिलाओं को खेल के माध्यम से उनके अधिकारो के बारे बताया गया। उत्सव मनाने और उनका साहस बढाने के लिये कई गीतो का भी प्रयोग किया गया जो की शक्ति को प्रदर्शि करते है, और महिलाओं मे गीतो के प्रति एक अलग ही उत्साह पाया जाता है। कार्यक्रम को उत्साह और साहस से परिपूर्ण बनाये रखने मे श्रीमती शुभा मिश्रा (संचालक), दीपिका शुक्ला (परमर्श्दात्री), दीपांजलि श्रीवास्तव (सुपरवाइज़र), ज्योति, सज्जन कुमार, सुनैना,और ममता (एनीमेटर) का पूर्णप्रयास रहा है।